

Just think...

1. What is your relation with the Supreme Father, the Supreme Soul?
2. God is One, then how can He be omnipresent?
3. We celebrate Shiva Jayanti, but what did Shiva do?
4. Is the Supreme Father the Purifier or the water of the Ganges?
5. Why is it called the night of Shiva?
6. Why do we observe a fast and keep awake all night?



Come and understand how you can claim salvation and the sovereignty of heaven from the unlimited incorporeal Supreme Father, Shiva, *within a second.*

Contact your local service center for free.



Brahma Kumaris

www.brahmakumaris.com



God Shiva
has come to
earth!

Prajapita Brahmakumaris
Ishwariya Vishwa Vidyalaya

Shiva is the God of the Gita



According to His promise of the last cycle, Supreme Father Shiva is now bestowing the knowledge of the Gita.

So, come and learn the way to attain your unlimited inheritance from the Supreme Father.

Great news! God Shiva has come to earth

God Shiva says – Sweet children,

I am Shiva, the Supreme Father of all you souls. You have chanted, performed penance, gone on pilgrimages in order to attain peace and happiness and yet you continue to say- ‘I

want peace, I want happiness’; you continue to search for it in external things. Now, I am here Myself to make you pure and give you your inheritance of peace and happiness.

Therefore, consider yourself a soul and remember Me, Shiva, the Supreme Father with love and claim your birthright.

Sweet children, there is little time left; renounce laziness and carelessness. Remember - it is NOW or NEVER!

Shiva and Shankar are not the same.



Shiva, the Supreme Soul is incorporeal

Shankar is a deity with a human form

Shiva is the Benevolent One

Shankar has been bestowed with the task of destruction

Shiva is the Creator of Brahma, Vishnu and Shankar

Shankar is the creation of Shiva

God is not omnipresent

1. If God is inside you and me and everywhere, why are we still searching for Him? Why do we call out to Him or worship Him in the temples?
2. If God is omnipresent, then has God also become impure like us? But He is the Highest on High, the Ever-Pure One!
3. We call the Supreme Soul the Father. If He is in all of us, are we all Fathers?
4. Children receive sustenance and inheritance from the Father. So how can He be omnipresent in the children?
5. If God is omnipresent, why do we celebrate his birthday, Shiva Jayanti?

The Father Himself says, “I am not omnipresent, it is the vices that are omnipresent; That is why you are in so much sorrow.”

The Father comes to liberate the children from the vices and take them back home. To call such a Father who is the Highest on High, the most Beloved, *omnipresent* is to disrespect Him.

ज़रा सोचे...

1. परमपिता परमात्मा से आपका क्या संबंध है?
2. परमात्मा एक हैं, फिर वह सर्वव्यापी कैसे हो सकता है?
3. शिव जयन्ती मनाते हैं, परन्तु शिव ने किया क्या?
4. पतित-पावन परमपिता परमात्मा है या पानी की गंगा?
5. 'शिव' का 'रात्रि' के साथ क्या संबंध है?
6. शिवरात्रि पर उपवास और जागरण की प्रथा क्यों?



बेहद के निराकार बाप से मुक्ति-जीवनमुक्ति तथा 21 जन्मों के लिए स्वर्ग की बादशाही **सेकण्ड में** कैसे मिलती है, सो आकर जनिये।

अपने स्थानीय सेवा केंद्र में संपर्क करें (निशुल्क)।



Brahma Kumaris

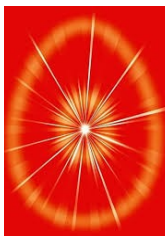
www.brahmakumaris.com



**भगवान शिव
धरती पर
आ चुके हैं !**

Prajapita Brahmakumaris
Ishwariya Vishwa Vidyalaya

गीता का भगवान शिव हैं



कल्प पहले की प्रतिज्ञा अनुसार, निराकार शिव पिता परमात्मा वर्तमान समय, गीता ज्ञान दे रहे हैं।

अतः, बेहद के बाप से बेहद का वर्सा लेने का रास्ता आकर सीखो।

खुश खबरी! शिव भगवान आए हुए हैं।

शिव भगवानुवाच: प्रिय वत्सो,

मैं तुम सर्व आत्माओं का परमपिता शिव हूँ। तुमने सुख-शांति पाने के लिए जप-तप-यज्ञ किये, फिर भी कहा- 'मुझे शांति चाहिए' और अपनी शांति, खुशी, प्रेम को बाह्य चीजों में खोजते रहे।

अब मैं खुद आया हूँ तुम्हें पावन बनाये, सुख-शांति-प्रेम का वर्सा देने।

अतः अब अपने को आत्मा समझ, मुझ पतित-पावन, परमपिता परमात्मा शिव को प्यार से याद करो और अपना जन्मसिद्ध अधिकार ले लो।

हे वत्सो, समय कम है, अलस्य, लापरवाही ठीक नहीं। याद रखें- अब नहीं तो कभी नहीं!

शिव और शंकर में अंतर



शिव परमपिता परमात्मा निराकार ज्योति स्वरूप है

शंकर सूक्ष्म आकारी देवता है

शिव कल्याणकारी, मंगलकारी है

शंकर विनाश कराने के निमित्त है

शिव ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के रचयिता हैं

शंकर शिव की रचना है

भगवान सर्वव्यापी नहीं हैं

1. यदि ईश्वर आपके और मेरे अंदर और कण कण में हैं, तो हम अभी भी उनको क्यों खोज रहे हैं? हम उनको क्यों पुकारते हैं या मंदिरों में क्यों जाते हैं?
2. यदि ईश्वर सर्वव्यापी है तो क्या ईश्वर भी हमारी तरह पतित हो गया है? लेकिन वो है ऊंच ते ऊंच, एवर-प्योर।
3. हम परमात्मा को पिता कहते हैं। यदि वह हम सब में है, तो क्या हम सब पिता हैं?
4. पिता से बच्चों को पालना और वर्सा मिलता है। तो वह बच्चों में व्यापाक कैसे हो सकता है?
5. यदि परमात्मा सर्वव्यापी है, तो हम उनका जन्मदिन, शिव जयन्ती, क्यों मनाते हैं?

बाप खुद कहते हैं, "मैं सर्वव्यापी नहीं हूँ, विकार सर्वव्यापी हैं; इसलिए तुम इतने दुःखी हो।"

बाप आते ही हैं बच्चों को विकारों से छुड़ाकर वापिस घर ले जाने। ऐसे ऊंचे ते ऊंचे, मोस्ट बिलवेड बाप को सर्वव्यापी कहना उनका निरादर करना है।